

दिनांक	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
24/26	<p>पत्रायली पेशा दुर्घि वकील वारी/वारी - व्यापारलय में अपीयल - मामलय लमय पर कई बार आवारे लगाने पर भी कोई अपीयल नहीं हुआ। पत्रायली में वास्तु नलकी कई अवसर (मे जा-पुके हो) शि-लमन को जाती किसे गये परन्तु पत्रायली में नलकी बोझ रही। शतः पत्रायली अपीयल पे ली। अदम नकमील शयदिज कि जाती है पत्रायली के मल शुकाट होकर शीवम दफतर हो।</p>	